gradeup

सीटीईटी 2019 परीक्षा

20 महत्वपूर्ण बाल विकास प्रश्न

www.gradeup.co

1. निम्नलिखित में से कौन सा समाजीकरण का दूत नहीं है?
   A. परिवार B. अस्पताल
   C. स्कूल D. सहकर्मी समूह
2. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 प्रोत्साहित करती है
   A. विशेष शिक्षा B. समावेशी शिक्षा
   C. एकीकृत शिक्षा D. नियमित शिक्षा
3. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के अनुसार, स्कूल और कक्षा का वातावरण निम्न होना चाहिए:
   A. माता-पिता और समुदाय को स्थान प्रदान करने के लिए गैर-विचारणीय है
   B. एक सक्षम वातावरण के पोषण पर ध्यान केंद्रित करना
   C. अनुशासन की परंपरा धारणाओं को छोड़ देना
   D. उपरोक्त सभी
4. निम्न में से कौन सा समाजीकरण का द्वितीयक प्रतिनिधि है?
   A. परिवार और अड़ोस-पड़ोस
   B. परिवार और रिश्तेदार
   C. स्कूल और अड़ोस-पड़ोस
   D. उपरोक्त में से कोई नहीं
5. **निर्देश** : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सही/सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए |
   जिस दिए गए कार्य को करते समय बच्चे स्वयं आनंद लेते हुए अनुभव प्राप्त करते हैं, उसे _____ कहा जाता है |
   A. उपभोक्ता प्रकार का कार्य
   B. निर्माणात्मक प्रकार का कार्य
   C. समस्यात्मक प्रकार का कार्य
   D. ड्रिल और अभ्यास कार्य
6. इनमें से किसे व्यक्तिगत मतभेदों के प्रबंधन के लिए शिक्षण रणनीतियों में शामिल किया जाएगा?
   A. मौजूदा ज्ञानात्मक स्तर को आधार के रूप में उपयोग करना
   B. सीखने की अयोग्यता को दूर करने के लिए निर्देश प्रदान करना
   C. स्मरण शक्ति को मजबूत करना
   D. उपरोक्त सभी
7. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प प्रगतिशील शिक्षा का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
   A. थिमैटिक इकाइयाँ, नियमित इकाई परीक्षण,रैकिंग
   B. व्यक्तिगत अधिगम, क्षमता समूह बनाना,छात्रों की लेबलिंग
   C. परियोजना विधि, क्षमता समूह बनाना,रैकिंग
   D. कर के सीखना, परियोजना विधि,सहयोग से सीखना
8. जीन पियाजे के अनुसार भाषा और विचार के बीच संबंध का सिद्धांत:
   A. विचार भाषा निर्धारित करता है
   B. भाषा विचार को निर्धारित करती है
   C. विचार और भाषा स्वतंत्र प्रक्रियाएं हैं जब तक कि बच्चा 2 वर्ष का न हो
   D. भाषा और विचार सहज प्रस्ताव हैं
9. यदि कोई बच्चा वाक्यों को लिखते समय शब्दों को अधूरा छोड़ देता है या नहीं लिखता है तो वह पीड़ित है -
   A. डिस्प्रैक्सिया B. डिसग्राफिया
   C. डिस्क्लेकुलिया D. डिस्लेक्सिया
10. निम्नलिखित में से कौन सी प्रेरणा की विशेषताओं से संबंधित नहीं है?
    A. प्रेरणा एक मनोवैज्ञानिक घटना है
    B. प्रेरणा जरूरतों पर आधारित है
    C. प्रेरणा एक विरल प्रक्रिया है
    D. लक्ष्य प्रेरक हैं
11. ऐल्बर्ट बन्दुरा निम्न में से किससे सम्बन्धित हैं?
    A. सामाजिक अधिगम सिद्धांत
    B. व्यवहारवादी सिद्धांत
    C. संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत
    D. मनोलौंगिक विकास
12. निम्न में से कौन सा वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों का रूप नहीं है?
    A. बहुविकल्पीय प्रश्न
    B. वैकल्पिक प्रकार के प्रश्न
    C. आरेखण प्रकार के प्रश्न
    D. मिलान के प्रश्न

13. सीखी गयी बात को धारण करने और पुन:स्मरण करने में असफल होना
A. विस्मरण है B. स्मरण है
C. धारण है D. चिन्तन है

14. विगोत्स्की सिद्धांत में समीपवर्ती विकास के क्षेत्र का तात्पर्य है कि -
A. यह काम बच्चों के लिए बहुत मुश्किल है, इसे वयस्क समर्थन के साथ पूरा किया जा सकता है
B. केवल औपचारिक समन्वय में सीखना होता है
C. शिक्षक के हस्तक्षेप सीखने को प्रभावित करते हैं
D. विकास, प्रगति का एक समीपवर्ती क्षेत्र है

15. शिक्षक कैसे सीखने के अधिकतम सकारात्मक अंतरण प्रदान कर सकता है?
A. कक्षा में संवाद का परिहार करके
B. योजना के नियत चरणों के अनुसार पाठ योजनाओं को प्रस्तुत करके
C. समस्या हल करने में उन्हें उपयोग करने के लिए छात्रों के बीच उचित समझ और अंतर्दृष्टि विकसित करके
D. छात्रों को उन पर और पाठ्यपुस्तकों पर निर्भर बनाते हुए

16. माता-पिता को छोटे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में एक _____ भूमिका निभानी चाहिए।
A. सहानुभूतिपूर्ण B. तटस्थ
C. नकारात्मक D. सक्रिय

17. **निर्देश:** सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।
पियाजे के अनुसार, निम्न में से किस चरण में एक बच्चे के सार प्रस्ताव के बारे में तार्किक रूप से सोचना शुरू कर देता है?
A. सेंसरिमोटर चरण (जन्म - 02 वर्ष)
B. पूर्व परिचालन चरण (02-07 वर्ष)
C. कंक्रीट परिचालन चरण (07-11 वर्ष)
D. औपचारिक परिचालन चरण (11 वर्ष से ऊपर)

18. यदि कोई शिक्षिका चाहे कि उसके विधार्थी समस्या-समाधान कौशल प्राप्त कर ले, तो विधार्थियों को ऐसे क्रियाकलापों में लगाना चाहिए जिनमें हो :
A. बहुविकल्पी प्रश्नों वाले स्तरीकृत कार्यपत्रक
B. प्रत्यास्मण, रटना और समझना
C. ड्रिल और अभ्यास
D. पूछना, तर्क करना और निर्णय लेना

19. कक्षा तक पहुँचने वाली बच्चों की भोली अवधारणाओं को जानना :
A. शिक्षक के हौसले को पस्त कर देता है क्योंकि इससे उसका कार्यभार बढ़ता है
B. शिक्षक के किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता
C. शिक्षक के लिए अपने शिक्षण को अधिक सार्थक बनाने की योजना बनाने में सहायक होता है
D. शिक्षक की योजना और शिक्षण में रुकावट बनता है

20. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व कक्षा में अधिगम हेतु सहायक हो सकता है?
A. बच्चों को अधिगम हेतु प्रेरित करने के लिए परीक्षणों की संख्या को बढ़ा देना
B. अध्यापकों द्वारा बच्चों की स्वायत्ता को बढ़ावा वह सहायता देना
C. समानता बनाए रखने के लिए किसी एक अनुदेशन पद्धति पर टिके रहना
D. कालांश की अवधि को 40 मिनट से 50 मिनट तक बढ़ा देना

ANSWERS

1. Ans. B.
किसी व्यक्ति का समाजीकरण उसके जीवनकाल के दौरान विभिन्न दूतों के साथ बातचीत के माध्यम से होता है। समाजीकरण का दूत नीचे दिया गया है।
- परिवार
- विद्यालय
- सहकर्मी समूह
- संचार मीडिया

2. Ans. B.
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 एक समावेशी शिक्षा प्रणाली को प्रोत्साहित करती है।
समावेशी शिक्षा: - इसे नियमित कक्षा शिक्षक की जिम्मेदारी के तहत विकलांग छात्रों को सामान्य शिक्षा परिस्थिति में मुख्य रूप से सेवा दी जाती है।

3. Ans. B.
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के अनुसार स्कूल और कक्षा के वातावरण को एक सक्षम वातावरण के पोषण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, अनुशासन की परंपरा धारणाओं को फिर से देखना चाहिए, माता-पिता और समुदाय को स्थान प्रदान करने की आवश्यकता पर चर्चा करनी चाहिए।

4. Ans. C.
स्कूल और अड़ोस-पड़ोस
समाजीकरण के द्वितीयक प्रतिनिधियों में परिवार के सदस्यों के बजाय समाज के प्रतिनिधि शामिल होते हैं और यह घर से बाहर होता है। उदाहरण- जिन स्कूलों को घर से बहुत अलग व्यवहार कीआवश्यकता होती है।

5. Ans. A.
जिस कार्य में बच्चों को आनंद लेते हुए अनुभव प्राप्त होता है उसे उपभोक्ता प्रकार का कार्य कहा जाता है।

6. Ans. D.
भौतिक, जनसांख्यिकीय, भावनात्मक व्यवहार और ज्ञानात्मक व्यवहार के कारण छात्रों के बीच मौजूद मतभेदों को व्यक्तिगत मतभेत के रूप में संदर्भित किया जाता है। शिक्षार्थियों के विभिन्न लक्षणों के आधार पर उन्हें संभालने के लिए विभिन्न रणनीतियों का पालन किया जाता है। अनुदेशात्मक रणनीति को आगे अनुकूलित शिक्षा प्रणाली और संरचनात्मक अनुदेशात्मक प्रणाली के रूप में विभाजित किया गया है।

7. Ans. D.
प्रगतिवादी शिक्षा ने करके सीखने पर बल दिया है। इसने समूह कार्य, सामाजिक कुशलताओं के विकास, सहयोगात्मक अधिगम कार्य, सामाजिक जिम्मेदारी के रूप मेंशिक्षा और सामुदायिक सेवा केएकीकरण पर अधिक जोर दिया है।

8. Ans. D.
जीन पियाजे के भाषा और विचार के बीच संबंध के सिद्धांत के अनुसार: "विचार भाषा को निर्धारित करता है"। उनके अनुसार विचार किसी भाषा को सीखने के लिए बुनियादी जरूरत और आवश्यकता है।

9. Ans. B.
इस विकार के कारण शिक्षार्थी को पेन या पेंसिल पकड़ते समय और अपने शरीर को घुमाते समय तनावपूर्ण और खराब महसूस हो सकता है। ऐसे शिक्षार्थियों का हस्तलेख बहुत खराब होता है और वे उसमें सुधार करने में सक्षम नहीं होते हैं। डिस्ग्रैफिया से पीड़ित शिक्षार्थियों में अन्य लक्षण भी दिखते हैं। इनमें शामिल हो सकते हैं -
- लेखन और ड्राइंग का बिल्कुल नापसंद करना
- व्याकरण के साथ समस्याएं
- लिखते समय ऊर्जा और रूचि का त्वरित समाप्त होना
- तार्किक अनुक्रम में विचारों को लिखने में परेशानी होना
- लेखन करते समय शब्दों को जोर-जोर से बोलना

10. Ans. C.
प्रेरणा एक सतत प्रक्रिया है।चाहत असंख्य हैं और एक समय में संतुष्ट नहीं किया जा सकता है।यदि किसी व्यक्ति के लिए एक बुनियादी जरूरत से पर्याप्त रूप से संतुष्ट है तो वह एक प्रेरक के रूप में शक्ति खो देता है।लेकिन अन्य जरूरते उभरने के लिए जारी रहती है।.

11. Ans. A.
सामाजिक शिक्षण सिद्धांत सीखने और सामाजिक व्यवहार का एक सिद्धांत है जो प्रस्तावित करता है कि नए व्यवहार दूसरों को देखकर और उनकी नकल करके हासिल किए जा सकते हैं।यह बताता है कि सीखना एक संज्ञानात्मक प्रक्रिया है जो सामाजिक संदर्भ में होती है और विशुद्ध रूप से अवलोकन या प्रत्यक्ष निर्देश के माध्यम से हो सकती है, यहां तक कि संज्ञानात्मक प्रजनन या प्रत्यक्ष सुदृढीकरण

की अनुपस्थिति में भी।व्यवहार के अवलोकन के अलावा, सीखना पुरस्कार और दंड के अवलोकन के माध्यम से भी होता है, एक प्रक्रिया जो प्रत्यधिकृत सुदृढीकरण के रूप में जानी जाती है।

12. Ans. C.

बहुविकल्पीय प्रश्न - इस प्रकार के तीन भाग होते हैं, एक मूलशब्द, कुंजी और विचलनकर्ता। कुंजी और विचलनकर्ताओं को एक-साथ विकल्प के रूप में जाना जाता है। मूलशब्द या तो प्रत्यक्ष प्रश्न या अपूर्ण कथन हो सकता है। कुंजी सही उत्तर होती है।

वैकल्पिक प्रकार के प्रश्न - यह प्रकार आमतौर पर एक कथन के रूप में होता है, जिसके लिए शिक्षार्थी को उचित उत्तर देना चाहिए। यह 'हां' या 'नहीं', 'सत्य' या 'असत्य' आदि के रूप में होता है।

13. Ans. A.

भूल जाने का अर्थ है किसी भी विफलता को संदर्भित करना या वर्तमान चेतना में जानकारी को बनाए रखना।सभी अनुभव मस्तिष्क के स्मृति भागों में निशान या चित्र छोड़ते हैं।स्मृति के हिस्सों से इन निशानों को बनाए रखने में विफलता को विस्मरण कहा जाता है।

14. Ans. A.

समीपवर्ती विकास का क्षेत्र, बच्चे के विकास के वर्तमान और संभावित स्तरों के बीच का अंतर है। समीपवर्ती विकास का क्षेत्र, एक शिक्षार्थी बिना मदद के क्या कर सकता है और क्या नहीं कर सकता है अथवा स्वतंत्र समस्या निवारण द्वारा निर्धारित यह वास्तविक समस्या स्तरों के बीच की दूरी है और वयस्क मार्गदर्शन अथवा अधिक सक्षम सहकर्मियों के सहयोग के अंतर्गत समस्या निवारण के माध्यम से निर्धारित क्षमता के विकास के स्तर हैं।

15. Ans. C.

शिक्षकों को समस्या केंद्रित दृष्टिकोण और ज्ञान के निर्माण के लिए विद्यार्थियों के बीच उचित समझ और अंतर्दृष्टि का विकास करना चाहिए जो आजीवन शिक्षा को प्रोत्साहित करेगा। इसे आमतौर पर प्रगति और प्रभावी सीमा के रूप में वर्णित किया जाता है जो पिछले अनुभव (स्थानांतरण स्रोत) नई स्थिति (स्थानांतरण लक्ष्य) में सीखने और प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। सीखने के हस्तांतरण को आमतौर पर प्रक्रिया और प्रभावी सीमा के रूप में वर्णित किया जाता है, जो पिछले अनुभव (हस्तांतरण स्रोत के रूप में भी संदर्भित) एक नई स्थिति (स्थानांतरण लक्ष्य) में सीखने और प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

16. Ans. D.

माता-पिता को छोटे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में एक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

जब माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में शामिल होते हैं तो दोनों बच्चों और माता-पिता को फायदा होने की संभावना है। शोधकर्ताओंने अनुसार माता पिता के अपने बच्चों की स्कूली शिक्षा मेंभागीदारी के निम्न फायदे हैं :

* बच्चों के आत्मसम्मान को बढ़ाता है
* बच्चों के शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार
* माता पिता के बच्चे के रिश्तों में सुधार
* माता-पिता स्कूल के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करता है
* और स्कूली शिक्षा की प्रक्रिया की बेहतर समझ

17. Ans. D.

1. संवेदी-पेशीय अवस्था (सेंसरी मोटर स्टेज) यह अवस्था बालक में जन्म से लेकर लगभग 2 वर्ष तक की अवधि में होती है। इस अवस्था में बालक अपनी इनिद्रयों के अनुभवों तथा उन पर पेशीय कार्य करके समझ विकसित करते हैं, (जैसे देखकर छूना, पैर मारना आदि)अत: इसे संवेदी-पेशीय अवस्था कहते हैं।

2. प्राकसंक्रियात्मक अवस्था-

पियाजे के अनुसार दूसरी अवस्था लगभग जो 2 से 7 वर्ष तक होती है। इस अवस्था को पुन: दो भागों में बाँटा जा सकता है।

(क) प्राकसंप्रत्यात्मक

(ख) अन्तर्दर्शी अवधि।

मूर्त संक्रियात्मक की अवस्था-

पियाजे के सिद्धांत के अनुसार ज्ञानात्मक विकास की यह तीसरी अवस्था लगभग 7 साल से प्रारंभ होकर 12 साल तक चलती है। हालांकि इस अवस्था में बच्चों के विचारों में संक्रियात्मक क्षमता आ जाती है और अन्तर्दर्शी तर्कशकित की जगह तार्किकता (Logical Reasoning) आ जाती है। परन्तु बालक समस्या समाधन हेतु मूर्त परिसिथतियों पर ही निर्भर करता है।

औपचारिक संक्रिया की अवस्था-
पियाजे के अनुसार यह चौथी अवस्था है जो कि लगभग 11 वर्ष से आरंभ होती है, और वयस्कावस्था तक चलती है। इस अवस्था में बालक का चिन्तन अधिक अमूर्त, अधिक क्रमबद्ध , लचीला और तार्किक हो जाता है।

18. Ans. D.
विज्ञान में उत्साह के आधार पर सीखने वाले को आकर्षित करना, उन्हें साक्ष्य-आधारित तर्क और उच्च-क्रम संज्ञानात्मक कौशल जैसे मूल्यों को खोजने में मदद करना और उन्हें रचनात्मक तरीके से समस्या समाधान में पारंगत बनने में सक्षम बनाना शिक्षा सुधारकों का मूल उद्देश्य होना चाहिए| किसी विद्यार्थी के चेहरे पर किसी चर्चा के दौरान लंबे समय तक मौन अभिव्यक्ति अथवा व्यंगात्मक भाव शिक्षा व्यवस्था के लिए उचित नहीं है| इन चुनौतियों के संबंध में में मेरे जवाब में सक्रिय पूछताछ, समस्या समाधान और छोटे समूह के रूप में गतिविधियां शामिल हैं।

19. Ans. C.
गतिविधियों और रणनीतियों को लगातार छात्रों से पूछताछ और उनके अनुभव से उत्पन्न विषयों को संबोधित करने के लिए अनुकूलित और परिष्कृत किया जाना चाहिए| निर्देशों के अंतर्गत छात्रों द्वारा आयोजित सामान्य अनुभवहीन अवधारणाओं, साथ ही उनके सांस्कृतिक और अनुभवात्मक पृष्ठभूमि के प्रभावों के उनके सीखने की प्रक्रिया पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखना चाहिए| छात्रों द्वारा कक्षा में लाई जाने वाली अनुभवहीन या नयी अवधारणाओं के कक्षा में लाने से शिक्षक को अधिक सार्थक रूप से शिक्षण की योजना बनाने में मदद मिलती है।

20. Ans. B.
यदि शिक्षक किसी छात्र को अपनी बात कहने, प्रश्न पूछ और आंकलन करने की स्वायत्ता प्रदान करता हैं तो वह छात्र बिना डरे और बिनाकिसी हिचक के अधिगम कर सकता हैं, जो उसके शैक्षिक ही नहींसम्पूर्ण विकास के लिए उपयुक्त होगा। स्वायत्ता प्रदान करना शिक्षक के हाथ में हैं परन्तु अनुशान कायम रखना भी शिक्षक का ही कार्य हैं अतः शिक्षक को छात्रों को स्वायत्ता देने से पूर्व अनुशाशन का पूराध्यानरखना चाहिए नहीं तो छात्र स्वायत्ता का गलत उपयोग भी कर सकते हैं।